विलंब 5236 करोड़ की परियोजना मंजूर, जमीन पर अब तक एक किलोमीटर भी दोहरीकरण नहीं

जबलपुर-गोंदिया दोहरीकरण धरातल पर कब तक रेंगेगा?

धनंजय श्रीवास्तव

जबलपुर। 5236 करोड़ रुपए की बहुप्रतीक्षित जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना को मंजूरी मिले करीब सात माह हो चुके हैं, लेकिन जमीन पर अब तक दोहरीकरण का एक किलोमीटर ट्रैक भी नजर नहीं आया है।

पांच वर्ष में पूरा किए जाने के लक्ष्य वाली इस परियोजना की शुरुआती रफ्तार ही अब सवालों के घेरे में है। कागजों पर प्रक्रिया आगे बढ़ने के दावों के बीच निजी भूमि अधिग्रहण, वन भूमि डायवर्जन और वन्यजीव संबंधी अनुमतियों की प्रक्रिया जारी है। करीब 231 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर 258 किलोमीटर ट्रैक का दोहरीकरण होना है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब समय-सीमा पांच वर्ष तय है तो निर्माण की रफ्तार कब पकड़ेगी और इसका वास्तविक लाभ क्षेत्र को कब मिलेगा।


जबलपुर के ग्राम भटौली में स्थित जबलपुर गोंदिया ब्रॉडगेज रेल लाइन

धीमी रफ्तार चिंता का विषय

इतनी बड़ी राशि और व्यापक क्षेत्र से जुड़ी परियोजना में शुरुआती स्तर पर ही काम की धीमी गति चिंताजनक है। पांच जिलों और गोंदिया क्षेत्र से जुड़ी इस परियोजना का सीधा असर यात्री सुविधाओं, माल परिवहन, उद्योग और पर्यटन पर पड़ना है। यदि भूमि अधिग्रहण और जरूरी स्वीकृतियों की प्रक्रिया में ही लंबा समय निकल गया तो आगे निर्माण कार्यों पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में रेलवे को केवल प्रक्रिया आगे बढ़ाने तक सीमित रहने के बजाय जहां अनुमति उपलब्ध हो, वहां निर्माण गतिविधियां शुरू करने की दिशा में तेजी दिखानी होगी। परियोजना की चरणबद्ध प्रगति सार्वजनिक किए जाने से क्षेत्र के लोगों और जनप्रतिनिधियों को भी वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मिलेगा लाभ

रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने से कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच टाइगर रिजर्व और धुआंधार जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच भी बेहतर होने की संभावना है। पांच जिलों से होकर गुजरने वाली यह परियोजना केवल ट्रैक दोहरीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय व्यापार, रोजगार, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों से भी जुड़ी है। परियोजना से प्रतिवर्ष करीब 16 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी का अनुमान भी इसके पर्यावरणीय महत्व को दर्शाता है। ऐसे में अब निगाहें स्वीकृति पर नहीं, बल्कि जमीन पर उतरते निर्माण कार्य पर हैं। समय रहते काम ने रफ्तार नहीं पकड़ी तो पांच वर्ष की समय-सीमा में परियोजना को पूरा करना बड़ी चुनौती बन सकता है।

फैक्ट फाइल

- परियोजना लंबाई : 231 किमी
- कुल ट्रैक : 258 किमी
- लागत : 5,236 करोड़
- निर्धारित अवधि : 5 वर्ष
- मंजूरी : मार्च 2026
- कार्य प्रगति : करीब 15 प्रतिशत
- जिले : जबलपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट व गोंदिया
- वन्यजीव प्रावधान : 450 करोड़
- बड़े पुल : 65
- छोटे पुल : 369
- आरयूबी : 88

इनका कहना है

जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज रेल लाइन के दोहरीकरण की परियोजना घने वन क्षेत्र से होकर गुजरती है। वर्तमान में निजी भूमि के अधिग्रहण, वन भूमि के डायवर्जन तथा वन्यजीव संबंधी स्वीकृतियों की प्रक्रिया प्रगति पर है। यार्ड रीमॉडलिंग के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है, जिसे शीघ्र जारी किया जाएगा।

शेख रहमान
सीपीआरओ, दपूमरे

वन क्षेत्र और स्वीकृतियां बड़ी चुनौती

जबलपुर-गोंदिया रेलखंड का बड़ा हिस्सा घने वन क्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके चलते निजी भूमि अधिग्रहण के साथ वन भूमि डायवर्जन और वन्यजीव संबंधी स्वीकृतियां परियोजना के लिए महत्वपूर्ण हैं। वन्यजीव संरक्षण के लिए अंडरपास और फेंसिंग समेत अन्य प्रावधानों पर करीब 450 करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं। परियोजना में 65 बड़े और 369 छोटे पुलों के अलावा 88 आरयूबी का निर्माण भी प्रस्तावित है। रेलवे के अनुसार यार्ड रीमॉडलिंग के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है और इसे शीघ्र जारी किया जाएगा। अब जरूरत इस बात की है कि स्वीकृतियों की प्रक्रिया के साथ-साथ निर्माण कार्य भी चरणबद्ध तरीके से जमीन पर दिखाई देने लगे।

मजबूत होगा रेल नेटवर्क

दोहरीकरण पूरा होने के बाद जबलपुर और गोंदिया के बीच रेल संचालन की क्षमता बढ़ेगी। गोंदिया हावड़ा-मुंबई हाई डेंसिटी रेल नेटवर्क से और जबलपुर इटारसी-वाराणसी रेल मार्ग से जुड़ा है। इससे वाराणसी और प्रयागराज की दिशा से चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित दक्षिण भारत की ओर जाने वाले यातायात के लिए बेहतर मार्ग मिलने की संभावना है। दोहरी लाइन से यात्री और मालगाड़ियों के संचालन की क्षमता बढ़ने के साथ पावर प्लांट, आयुध निर्माणी और खनन क्षेत्रों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। परियोजना से प्रतिवर्ष करीब 7.6 मिलियन टन अतिरिक्त माल परिवहन क्षमता बढ़ने और लगभग 350 करोड़ रुपए सालाना लॉजिस्टिक लागत बचने का अनुमान है।

महाकौशल का खनिज अंतरराष्ट्रीय स्तर का

बाहरी राज्य और देश अमीर हो रहे, स्थानीय युवाओं के हाथ सिर्फ मजदूरी, बदले खनिज नीति

नवभारत न्यूज

जबलपुर। सरकार की राजनीतिक उदासीनता और कमजोर नेतृत्व क्षमता के कारण महाकौशल का अंतरराष्ट्रीय बेशकीमती कच्चा खनिज बाहर भेजा जा रहा है, जिससे बाहरी राज्य और देश अमीर हो रहे हैं, जबकि स्थानीय युवाओं के हाथ सिर्फ मजदूरी लग रही है। यह बातें जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) सौरभ नाटी शर्मा ने नवभारत से विशेष चर्चा के दौरान कहीं।

आगे उन्होंने कहा कि महाकौशल की धरती खनिज संपदा से पूरी तरह संपन्न है, लेकिन इसका सही रणनीतिक लाभ क्षेत्र को नहीं मिल रहा है। यहाँ की खदानों से निकलने वाला कच्चा माल रायपुर, बेंगलुरु और मुंबई समेत अन्य विकसित औद्योगिक शहरों को भेजा जा रहा है। यही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारा खनिज चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों तक पहुंच रहा है। वे यहाँ के खनिज का चार गुना अधिक फायदा उठा रहे हैं और महाकौशल में खनिज का अकूत भंडार होने के बावजूद यहां सिर्फ लेबरगिरी हो रही है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्रांति लाने और जिला इकाइयों के खजाने भरने के लिए खनिज नीति में बदलाव की जरूरत है। महाकौशल से कच्चा खनिज बाहर भेजने पर पूरी तरह रोक लगे। खनिजों की प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थानीय स्तर पर ही लगाई जाएं ताकि फाइनल प्रोडक्ट यहीं बने और रोजगार के बड़े अवसर पैदा हों।



करोड़ों खर्च पर धरातल पर शून्य पुराना लेखा-जोखा भी दे सरकार

जबलपुर में उद्योगों को बढ़ावा देने आयोजित हो रही आगामी उद्योग संगोष्ठी को उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बीते सालों में भी भाजपा सरकार द्वारा इन्वेस्टर मीट और इन्वेस्टर कॉन्क्लेव आयोजित हुई थी जिसका उन्होंने नतीजों का हिसाब मांगा। उन्होंने कहा, उस वक्त भी कई एमओयू साईन किए गए थे लेकिन धरातल पर नहीं उतरे। करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए गए और न जाने कितने कागजी समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। लेकिन हकीकत यह है कि धरातल पर एक भी इंडस्ट्री नहीं लगी और रोजगार सृजन शून्य रहा। जटिल नियमों और सरकारी उलझनों के कारण कोई भी बड़ा निवेशक यहाँ पैर जमाने को तैयार नहीं हुआ। उन्होंने सरकार की उद्योग नीतियों पर निशाना साधते हुए मांग की है कि नया आयोजन करने से पहले पिछले निवेश सम्मेलनों पर हुए करोड़ों के खर्च और उनके जमीनी नतीजों का हिसाब जनता को दिया जाए। कितने उद्योग धरातल पर उतरें पूरा लेखा-जोखा सरकार दे।

औद्योगिक क्रांति लाने, लगे प्रोसेसिंग यूनिट, यहीं खजिन हब बने, रोजगार के बड़े अवसर मिले

इंडस्ट्रियल रियायतों के साथ ऐसा हो बदलाव

उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए जटिल नियमों को बेहद आसान किया जाए। महाकौशल में खनिज उद्योग लगाने वाले निवेशकों को विशेष सब्सिडी, बिजली दरों में भारी रियायत और जमीनों के आवंटन में छूट दी जाए। सरकार को अब औपचारिकता छोड़कर धरातल पर काम करना चाहिए। यदि नियमों को आसान बनाकर स्थानीय स्तर पर खनिज हब विकसित किया जाता है, तो बड़े पैमाने पर राजस्व पैदा होगा, जिससे जिला इकाइयों के सरकारी खजाने भरेंगे और युवाओं का पलायन रुक जाएगा। अभी सरकारी उलझनों और जटिल प्रक्रियाओं के कारण निवेशक रूचि नहीं लेते हैं। इसलिए खनिज नीति में बदलाव कर नियमों को शिथिल किया जाए।

हमारे खजिन के दम पर दूसरे हो चुके समृद्ध

कांग्रेस शहर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि जिन क्षेत्रों और प्रांतों में खुद का कोई खनिज उपलब्ध नहीं है, वे महाकौशल के कच्चे माल के दम पर समृद्ध औद्योगिक हब बन चुके हैं। असली मुनाफा, राजस्व और नौकरियां सब बहारी लोग उठा रहे हैं क्योंकि इन खनिजों की फाइनल वैल्यू-एडिशन और प्रोसेसिंग यूनिट्स महाकौशल में स्थापित ही नहीं की गईं।

इंजन से धुआं उठा, लगाना पड़ा इमरजेंसी ब्रेक

जबलपुर। गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जा रही 22537 कुशीनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के इंजन से अचानक धुआं उठने के बाद चालक दल ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन रविवार को दोपहर 12.18 बजे इटारसी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर पहुंची थी और 12.28 बजे रवाना हुई।

स्टेशन से कुछ दूरी पर नाला मोहल्ला आउटर के पास इंजन से धुआं निकलता देख चालक दल ने किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए तत्काल ट्रेन रोक दी। अचानक ट्रेन रुकने से कई यात्री भी



कोचों से बाहर निकल आए। चालक दल ने मौके पर इंजन की जांच की, लेकिन स्थिति सामान्य नहीं मिलने पर रेलवे अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद ट्रेन को वापस प्लेटफार्म नंबर-2 पर लाने का निर्णय लिया गया। इटारसी स्टेशन पर तकनीकी जांच के बाद इंजन को खराब घोषित कर दिया गया।

इसके बाद खराब इंजन को हटाकर उसके आगे दूसरा इंजन जोड़ा गया और करीब 1.44 बजे कुशीनगर एक्सप्रेस को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इंजन में आई तकनीकी खराबी के कारण इटारसी-मुंबई और इटारसी-नागपुर रेलखंड पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। इस दौरान भुसावल की ओर से आ रही महानगरी एक्सप्रेस को भी सिग्नल पर करीब 10 मिनट रोकना पड़ा। हालांकि, दूसरा इंजन लगाए जाने के बाद कुशीनगर एक्सप्रेस को आगे रवाना कर रेल यातायात को सामान्य किया गया।

कार की टक्कर से दो घायल

जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत पाटन-जबलपुर मेन रोड भौंरदा तिराहा के पास कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक पप्पू झारिया 40 वर्ष निवासी कछपुरा संजीवनीनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात लगभग 8 बजे पाटन-जबलपुर मेन रोड भौंरदा तिराहा के पास पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीजी 5081 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसके दोस्त नर्मदा प्रसाद की मोटर सायकल में टक्कर मार दिया जिससे नर्मदा प्रसाद व सुरेश कुमार दोनों मोटर सायकल सहित गिर गये, दोनों को हाथ पैर व शरीर में चोटें आईं।

युवती नहीं जाना चाहती थी परिवार के साथ, पुलिस ने थाने से छोड़ा

जबलपुर। पिता की तरफ से लापता बेटी की तलाश के लिए दायर की गयी याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार लापता बेटी को पुलिस तलाश कर थाने लाकर परिजनों से मिलाया था। बेटी ने परिजनों के साथ जाने से इंकार कर दिया था। बालिग होने के कारण उसके बयान कर पुलिस उसे जाने दिया था। हाईकोर्ट के मुख्य चीफ जस्टिस अल्पेश कोगजे ने लापता लडकी को तलाश कर हाईकोर्ट या संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने का निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया।

नागौद निवासी महेश बागरी की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि उसकी बालिग बेटी 8 मई 2025 को लापता हुई थी। बेटी के लापता होने की रिपोर्ट नागौद पुलिस के 9 मई को नही की गयी। बेटी के लापता होने की रिपोर्ट 10 मई को पुलिस ने दर्ज की। इसके बाद पुलिस के द्वारा बेटी की तलाश कर थाने लाया गया था। पुलिस कर्मियों के बेटी के जेवरात लेकर उसे थाने से छोड दिया था। याचिका में कहा गया कि उसने सूचना के अधिकार के तहत थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज मांगी गयी थी। जो उसने उपलब्ध नही कराई गयी है। हाईकोर्ट ने याचिका में लगाये गये आरोप को गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए एसआईटी का गठन किये जाने के निर्देश दिये थे।

एसआईटी की तरफ से हाईकोर्ट में पेश की गयी रिपोर्ट में बताया गया कि नागौद थाना की सीसीटीव्ही फुटेज के अनुसार 12 मई 2025 को युवती थाने में मौजूद थी और पुलिसकर्मी द्वारा उसके बयान दर्ज किये गये थे। फुटेज में युवती को बयान पर हस्ताक्षर करते हुए देखा गया था।

युवती ने थाने के अंदर अपने परिजनों से बातचीत की, परंतु वह उनके साथ घर जाने के लिए तैयार नहीं हुई। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि परिवार के सदस्यों का व्यवहार युवती के प्रति कथित तौर पर सौहार्दपूर्ण नहीं था। युवती ने बाद में पुलिसकर्मी के मोबाइल फोन से किसी व्यक्ति को फोन करने का प्रयास किया, लेकिन कॉल पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद वह संदीप बागरी के घर चली गयी थी। दूसरे दिन 13 मई को उसे अंतिम बार केन नदी के पुल पर देखा गया था। युगलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए अपने आदेश में कहा है कि उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर यह मामला अवैध हिरासत का नहीं है।

पूछताछ में खुद को बताया पाकिस्तान निवासी, तफ्तीश में यूपी का निकला

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत व्हीकल फैक्ट्री के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे एक युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। युवक ने शुरुआत में खुद को पाकिस्तान के कराची का रहने वाला हामिद अंसारी बताया, जिससे हड़कंप मच गया। हालांकि, सघन जांच के बाद पता चला कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है और यूपी का रहने वाला शिवम पाठक है। जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। हालांकि उससे अभी पूछताछ जारी है।

जानकारी अनुसार व्हीकल फैक्ट्री के पास एक युवक संदिग्ध रूप में मिली। उसकी हरकतों को देखकर स्थानीय लोगों को शक हुआ और उन्होंने उससे पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम हामिद अंसारी बताया और दावा किया कि वह कराची, पाकिस्तान का निवासी है। युवक के मुंह से पाकिस्तान का नाम सुनते ही लोगों ने इसकी सूचना रांझी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपनी अभिरक्षा में लेकर थाने आया। जब पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की, तो उसने पुलिस को भी छकाना शुरू कर दिया।

सुरक्षा जांच एजेंसियां भी हुई सक्रिय, तस्दीक के बाद उठा पर्दा

मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हो गई थी। हालांकि बाद में सभी ने राहत की सास ली। टीआई उमेश गोल्हानी ने बताया कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है, जब पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाया और तकनीकी व स्थानीय स्तर पर तस्दीक की और सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपने भाई का नंबर दिया जिसके बाद उसके भाई से संपर्क किया गया। जिसके बाद युवक का असली पहचान शिवम पाठक 26 वर्ष निवासी गौसगंज, जिला हरदोई उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। युवक की पहचान से जुड़े दस्तावेज भी मंगवाए गए। साथ ही उसके भाई ने वाट्सएप पर युवक की मानसिक बीमारी और इलाज से जुड़े दस्तावेज भी भेजे। मानसिक बीमारी के कारण अपने घर से भटक कर जबलपुर आ गया था।

पाटन-कनेरा सिंचाई परियोजना मामला, दोगुनी हुई लागत

मंत्री के रिश्तेदार को लाभ पहुंचाने नहर का नक्शा बदलने का आरोप

जबलपुर। हाईकोर्ट ने सिवनी जिले की पाटन-कनेरा लघु सिंचाई परियोजना के स्वीकृत स्वरूप में बदलाव और लागत बढ़ाए जाने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर चार नवंबर 2026 को अंतिम सुनवाई तय की है। मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ के समक्ष लंबित मामले में गंभीर आरोप लगाए गए है।

याचिकाकर्ता पाटन निवासी किसान रिषी पाराशर ने आरोप लगाया है कि तत्कालीन कमलनाथ सरकार में सिंचाई मंत्री रहे हुकुम सिंह कराड़ा के रिश्तेदार गणपत सिंह गुर्जर को कथित लाभ पहुंचाने के लिए परियोजना का मूल नक्शा बदल दिया गया। याचिका के अनुसार परियोजना पहले करीब 9.30 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत हुई थीए लेकिन बाद में इसका स्वरूप और नक्शा बदलने से लागत करीब 20 करोड़ रुपये हो गई। याचिका कर्ता का आरोप है कि तत्कालीन सिंचाई मंत्री के सचिव के पत्र के बाद मुख्य अभियंता स्तर पर परियोजना में बदलाव कराया गया। बदले हुए प्रोजेक्ट से अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के किसानों की उपजाऊ जमीन प्रभावित होने का भी दावा किया गया है। वर्ष 2019 में दायर याचिका पर 19 नवंबर 2024 को न्यायमूर्ति विनय सराफ की एकलपीठ ने इसे व्यापक जनहित से जुड़ा मामला मानते हुए कोर्ट के समक्ष रखने का निर्देश दिया था। अब कोर्ट परियोजना के मूल नक्शेए बदलावए बढ़ी लागत और किसानों की जमीन पर प्रभाव से जुड़े तथ्यों पर अंतिम सुनवाई करेगी।

12,600 फीट की ऊंचाई पर फहराया तिरंगा

जबलपुर। उत्तराखंड स्थित पिंडारी ग्लेशियर के 12,600 फीट ऊंचे जीरो पॉइंट तक पहुंचकर जबलपुर रेल मंडल के दो कर्मचारियों ने तिरंगा फहराकर साहस और जज्बे की मिसाल पेश की। मंडल की वाणिज्य शाखा में पदस्थ मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सूर्य प्रकाश खरे और शैलेन्द्र उइके ने दुर्गम पर्वतीय ट्रेक पूरा कर रेलवे के पर्वतारोहियों के रूप में यह उपलब्धि हासिल की।

दोनों ने जबलपुर से रेल मार्ग से हल्द्वानी होते हुए भीमताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर और खाती गांव तक पहुंचने के बाद करीब 56



किलोमीटर का कठिन ट्रेक पूरा किया। खाती से फुरकिया गांव होते हुए जीरो पॉइंट तक के सफर में घने जंगल, जलधाराओं और बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच उन्होंने चार रातें टेंट और ट्रेकर्स हट में बिताईं। इस अभियान में मध्य रेल मुंबई और पश्चिम रेल मुंबई सेंट्रल के सदस्य भी शामिल रहे।यात्रा के दौरान करीब छह दिनों तक मोबाइल नेटवर्क से पूरी तरह दूर रहकर दोनों पर्वतारोहियों ने हिमालय की शांत वादियों, बर्फीली हवाओं और तारों से भरे आसमान के बीच प्रकृति के साथ समय बिताने का अनूठा अनुभव हासिल किया। पिंडारी ग्लेशियर कुमाऊं हिमालय के प्रमुख हिमनदों में शामिल है और यहीं से निकलने वाली पिंडर नदी आगे कर्णप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है।

यात्रा पूरी कर लौटने पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह सहित वाणिज्य शाखा के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सूर्य प्रकाश खरे और शैलेन्द्र उइके का स्वागत कर उन्हें सफल अभियान की बधाई दी। दोनों ने बताया कि अब एक अन्य हिम शिखर पर ट्रेकिंग की योजना बनाई जा रही है, जिसमें रेलवे का बड़ा दल शामिल होगा।



पुलिस ने खोज निकाले 25 लाख के 152 गुम मोबाइल धारकों के खिले चेहरे

जबलपुर। पुलिस ने गुम हुए 152 मोबाइल को सफलतापूर्वक ट्रेक कर लिया है। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में इन सभी मोबाइलों को उनके धारकों को सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ फोन वापस पाकर आवेदकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

// SARDARS' // SINCE 1938
मध्य भारत का सबसे पुराना आपका अपना प्रतिष्ठान
द सरदार हाउस
समस्त इलेक्ट्रॉनिक, बैंड एवं संगीत सामग्री के विक्रेता एवं सुधारक
thesardarhouse@yahoo.co.in www.thesardarhouse.com
+0761-4044325, +91 9425864773 सरदार हाउस रोड, अंधेरदेव, जबलपुर 482002 (म.प्र.)

केवल दवाइयों द्वारा हार्ट का इलाज
बिना एंजियोग्राफी
बिना एंजियोप्लास्टी
बिना बाईपास सर्जरी
बिना भर्ती किये
Google 4.9/5.0
24 वर्षों के अनुभव के साथ
डॉ. अतुल महेरे हृदय रोग विशेषज्ञ
सटीक सलाह से 5 लाख से ज्यादा लोगों को लाभ
समय 11.00 से 5.00 बजे
स्पंदन हार्ट क्लीनिक
पता- भंवरताल पार्क तिराहा, नेपियर टाउन, जबलपुर मो.-7805082378

विकास सरकार ने हाईकोर्ट में दी जानकारी, निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश

अनूपपुर जिला न्यायालय के लिए 44 .85 करोड़ की राशि स्वीकृत

निर्माण कार्य की न्यायालय करेगा मॉनिटरिंग

जबलपुर। अनूपपुर जिला न्यायालय के निर्माण के लिए 44.85 करोड़ की राशि स्वीकृत स्वीकृत किये जाने के संबंध में सरकार की ओर से हाईकोर्ट में जानकारी पेश की गयी।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेते हुए संबंधित विभाग को निर्माण कार्य करने के निर्देश जारी किये है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा



है कि न्यायालय द्वारा कार्य की मॉनिटरिंग की जायेगी।

किराए के कमरे में संचालित थी न्यायालय

अधिवक्ता वासुदेव चटर्जी की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि अनूपपुर में जिला न्यायालय किराये के मकान में संचालित हो रहा है। जिला न्यायालय की अपनी बिल्डिंग नही है। एकलपीठ ने इस संबंध में सरकार को जिला न्यायालय की बिल्डिंग के निर्माण के लिए फंड उपलब्ध कराने के आदेश जारी किये थे।

कोर्ट मित्र से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

युगलपीठ ने एमिकस क्यूरी से परियोजनाओं का अध्ययन कर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के आदेश जारी करते हुए अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की है।

44 .85 करोड़ की राशि स्वीकृत

याचिका की सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की ओर से अनूपपुर जिला न्यायालय के निर्माण के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने की जानकारी युगलपीठ के समक्ष पेश की गयी। जिसमें बताया गया कि 44ण्85 करोड़ की राशि जारी की गयी है। इसके अलावा प्रदेश के सभी जिला न्यायालयों में चल रही लंबित परियोजनाओं की सूची एमिकस क्यूरी को उपलब्ध करवाये जाने के संबंध में भी युगलपीठ को अवगत करवाया गया।

सीएम से चर्चा कर मांगी थी रिपोर्ट

हाईकोर्ट ने फंड के संबंध में महाधिवक्ता को प्रदेश के मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत रूप से चर्चा करने के आदेश दिये थे। हाईकोर्ट ने इसके अलावा प्रदेश में चल रहे न्यायालय निर्माण कार्य की स्टेटस रिपोर्ट भी पेश करने के आदेश जारी किये थे।

बाज़ार में मची लूट से खुद को बचाइये, क्योंकि जरूरी नहीं हर अच्छी चीज महंगी हो
Mr. Solar Because you deserve the best
सही एवं संपूर्ण जानकारी के लिए एक बार कॉल अवश्य करें, हमें आपकी सहायता करने में खुशी होगी
MR. SOLAR & CO. भरोसे का दूसरा नाम
FASTEST & BEST POST SALE SERVICE
9644555001, 6267100743
www-mrsolarindia-com. mrsolarandco@gmail-com
402, 4th Floor, Kaushalya Vihar Apartment, In Front of Dr. Sachin Luthra Clinic, Near Bhanwartal Garden, Napier Town, Jabalpur (MP)-482001

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57